**ISSN Print:** 2394-7500
**ISSN Online:** 2394-5869
**Impact Factor (RJIF):** 8.4
IJAR 2024; 10(11): 35-37
www.allresearchjournal.com
Received: 13-08-2024
Accepted: 18-09-2024

**Rubina Khan**
Ph.D Scholar, Department of Drawing and Painting, Kota University, Kota, Rajasthan, India

**Dr. Shalini Bharti**
HOD, Drawing and Painting Govt. Arts College Kota, Rajasthan, India

**Corresponding Author:**
**Rubina Khan**
Ph.D Scholar, Department of Drawing and Painting, Kota University, Kota, Rajasthan, India

# कला का प्रभाव मानव जीवन पर

**Rubina Khan and Dr. Shalini Bharti**

**DOI:** https://doi.org/10.22271/allresearch.2024.v10.i11a.12115

## सारांश
कला के कई रूप मानव जीवन में निहित है। भौतिक-अभौतिक रूप में,आध्यात्मिक व साहित्यिक रूप में, प्रदर्शन कला व दृश्य कला के यह रूप मानवता को सदा से ही प्रभावित करते रहे हैं। मानव एक सामाजिक प्राणी है, समाज पर मानव के कार्यों से नये बदलाव आते रहते है, तथा मानव पर स्वयं इन गतिविधियों का प्रतिकूल व अनुकूल प्रभाव देखा जा सकता है। कला के संदर्भ में यह गतिविधियां मुख्यतः बाल्यकाल से शुरू होकर जीवन के अंतिम चरण तक बनी रहती है।
आदिमानव मनुष्य के पूर्वज माने गए हैं। आदिमानव में अनुसरण करने की का गुण अधिक था। एक व्यक्ति जो कार्य करता दूसरा व्यक्ति भी उसी कार्य को बिना हिचकिचाए अनुसरण करता। आज की समय मे भी यह देखा जा सकता ही की फैशन चाहे कैसा भी हो शोभनीय या अशोभनीय युवा वर्ग उसका आँख बंद कर उसका अनुसरण कर लेती है। कला के इस प्रभाव से सभी जीवित प्राणी प्रभावित हुए है। कला का यही प्रभाव वयक्तित्व निर्माण, सामाजिक- समाजस्ता, वैचारिक भाव, मनोवैज्ञानिक रूप में देखा जाता रहा हैं। इसे गहराई से जानना और समझना बहुत ज़रूरी है। क्योकि यह सभी भविष्य को भी निर्धारित करती है। यहाँ मुख्तः कला की विभिन रूपो से उत्पन्न प्रभावों की विस्तृत चर्चा तथा नई सम्भावना खोजने का प्रयास किया गया है।

**कूटशब्द:** परिवर्तन, कलाकार, सकारात्मकता, कला, ग्राफिटी कला

## प्रस्तावना
आज के समय में मनुष्य चारों तरफ से कला से घिरा हुआ है। यह कला मनुष्य को प्रभावित करती है तथा उसके व्यक्तित्व परिवर्तित करने का एक बड़ा कारण भी बनती है। सुबह आंख खोलने के पश्चात सबसे पहली नजर मोबाइल फोन पर पड़ती है, यह जांचा परखा जाता हैं कि नया चलन में क्या है कहां सेल लगी है किसने मैसेज किया है। उसी प्रकार अखबार, मैगजीन, मॉल, सिनेमा घर इत्यादि दृश्य और श्रव्य कला के स्पष्ट उदहारण है। इसी प्रकार कला सभी दिशाओं से मनुष्य के आचरण व्यवहार को प्रभावित करती है।
इस विषय पर लेखिका को सबसे अधिक प्रभावित मैक्सिकन ग्राफिटी कलाकार और फ़ोटोग्राफ़र जे.आर ने किया है, उनकी कला का मूल विषय " मनुष्य के शरीर तथा चेहरों की भाव भंगिमा" है।
जे.आर इसी भावभंगिमा का दानवाकार रूप देकर प्रिंट करवाकर उसे किसी दीवार या ज़मीन पर चिपकाकर अपनी कला को आकर दे बड़े-बड़े होर्डिंग पर लगाया जाता

है। इसके लिए सबसे पहले वह विभिन्न तरह की फोटो खींचकर उसका आकलन करते हैं। फिर उसका चयन कर प्रिंटर से प्रिंट कर बड़ी व सपाट दीवार या ज़मीन पर चिपकाया जाता है।

अमेरिका-मेक्सिको सीमा की दीवार पर झाँकते लड़के की एक विशाल कलाकृति फ़्रांसीसी कलाकार और फ़ोटोग्राफ़र जे.आर., अपनी दृश्य कला में"किकिटो" टेकाटे, बाजा कैलिफ़ोर्निया, 2017 मैक्सिको में बनाया गया।

अपनी कला के माध्यम से वह विश्व मे मनुष्यों की स्थिति का और भावना को प्रदर्शित करते है। जे. आर ने कैलिफोर्निया में एक कारगृह में अपनी कृति का निर्माण किया। जिसके लिए खुद वहा की मेयर ने उनको अनुमति दी। यह जेल तेहाचापि कैलिफोर्निया में स्थित है। इस जेल को दुनिया में कैदियों के लिए सबसे खतरनाक जेल माना जाता है।

कार्य विषय कैदी थे, जब कैदी से मिलने गए तब वह पूरी तरह से एक दूसरे से अनभिज्ञ थे, मुलाकात बड़ी ही साधारण रही। जे. आर ने जब उन लोगो के साथ काम करना शुरू किया तो उन लोगो में सहकर्मी जैसे सम्बन्ध हो गए। काम करते समय उनको हर छोटी से छोटी चीज़ का पूरा विवरण देना होता था। हर बार सेक्युटिरी चेकिंग होती। लेकिन काम के समय कैदियों और वहाँ के गॉर्ड ने उनका बहुत सहयोग किया। उनको किसी भी चीज़ की गुम होने की शिकायत का कभी-भी सामना नहीं करना पड़ा। सबसे रोचक बात तो यह थी कुछ कैदी वहा काफी समय से वही रह रहे थे। उनको बाहर की दुनिया में क्या घटित हो रहा है उसका कुछ भी ज्ञान नहीं था। वह ड्रोन, फेसबुक और विभिन्न तरह की एप्लीकेशन नए आविष्कारो के बारे में बिल्कुल अबोध बच्चों जैसे उत्सुक थे।उनको ज्यादा से ज्यादा उन चीजों के बारे में जानना था। इसी वजह से प्यार और सहानुभूति के साथ व्यवहार करते।इसी बीच एक कैदी आपसे ज्यादा हिल मिल गया।

उस कैदी का नाम केविन है, बातचीत की समय जे. आर को बताया की वह किसी गैगं का सदस्य था। लेकिन वह अपने जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाना चाहता था, जिसकी शुरुआत उसने अपने किसी टैटू को हटाने से की, यह टैटू उसके पुराने गैंग से सम्बंधित था। उसका इच्छा थी, की वह भी सभी की तरह सामान्य जीवन जीना चाहता है।

कैलिफ़ोर्निया जेल के प्रांगण में, "तहचापी"अधिकतम सुरक्षा वाली जेल। कलाकार और फ़ोटोग्राफ़र जे.आर. केविन ने अभिव्यक्ति जाहिर की वह रिहाई मिलने के बाद वह जे. आर मिलना चाहता है। जे. आर ने भी खुशी-खुशी इस को अनुमति दे दी। कुछ समय के बाद न केवल केविन में बल्कि अधिकतर कैदियों में व्यव्हार में सुधार देखा गया और जिसकी वजह से कैदियों कई रिहाई भी जल्दी मिल गई।

महाराष्ट्र: कोविड19 पर जागरूकता फैलाने के लिए मुंबई के जेजे अस्पताल की दीवारों पर भित्तिचित्र बनाए गए। मोना लिसा, फ्रीडाकाहलो

मुंबई के जेजे अस्पताल की दीवारों पर मर्लिन मुनरो और स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी के भित्तिचित्र

दूसरी घटना जिसनी न केवल मूझे बल्कि पुरे संसार को झंझोर कर रख दिया। यह समय था कोरोना का, जब लॉक डाउन की वजह से सभी मानसिक, शारीरिक और आर्थिक रूप से परेशान थे। उस समय में मुंबई में जे.जे हॉस्पिटल की दीवारों पर मोनालीसा जैसै कई प्रसिद्द चित्रों की पुनः रचना की गई। चुकी यह सब कोरोना काल में था तो सभी कृतियों ने मास्क पहन रखा था। जिससे पढ़ालिखा और अनपढ़ सभी यह बड़ी-बड़ी पेंटिंग देखकर जीवन की अमुलय्ता को समझ रहे थे और सजग हो रहे थे। यह चित्र आज भी धूमिल अवस्था में जे.जे. हॉस्पिटल की बाहरी दीवारों पर देखा जा सकता हैं। यहाँ चित्रण करने का मकसद शहर को महामारी से बचने हेतु जागरूक करना था। शहर में इस प्रकार की कई कलाकृतियां हे जो नगरीय सुंदरता बढ़ने के साथ कुछ न कुछ सन्देश देती है।

## उद्देश्य

कला का मूल उद्देश्य मनोरंजन के साथ-साथ सकारात्मक परिवर्तन की ओर अग्रसर होने वाला होना चाहिए। एक कलाकार की समाज के प्रति उसकी जिम्मेदारी उसकी कला के माध्यम से अवलोकित होती है। कलाकार समाज में क्या नये बदलाव चाहता है इस विचारधारा को सभी तक पहुचाने का कार्य उसकी कला से प्रदर्शित होता है। यह मानव जीवन में परिवर्तन का कारण भी बनता है। मानव जीवन की तथागत मानसिक व सामाजिक स्थिति का दर्पण भी होता है

## निष्कर्ष

इस पूरे प्रसंग से यह सीखने को मिलता है कि कला एक सीधी तौर पर अभिव्यक्ति का माध्यम है। कला हर तरह से मानव को प्रभावित करती रहती है ख़ास कर मनुष्य को नवीन विचारधारा के बीजारोपण का काम करती है जिससे समाज में विकास और आपसी सामजस्य बड़ता है। कला किसी डॉक्टर की तरह उपचार करती है। साथ ही साथ सभी मनुष्य अपने जीवन में सकारात्मक परिवर्तन और अच्छे व्यवहार की आशा रखते है। यदि उन्हें सही वातावरण और सहयोग मिले तो वह भी जीवन में एक उत्तम परिवर्तन ला सकते हैं।

## संदर्भ


1. https://www.collater.al/en/jr-prison-techachapi-street-art/
2. https://www.theguardian.com/us-news/2017/sep/18/proud-to-be-mexican-meet-the-baby-whose-huge-image-gazes-over-the-border
3. https://twitter.com/ANI/status/1377538666319388673
4. https://timesofindia.indiatimes.com/videos/city/mumbai/graffiti-painted-on-hospital-walls-to-create-awareness-on-covid-19/videoshow/81847225.cms TED. (Jun 28, 2022). JR: Can Art Change the World? [Video]. YouTube. https://www.youtube.com/watch?v=2fY-iSzbls8